कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या 2537062

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

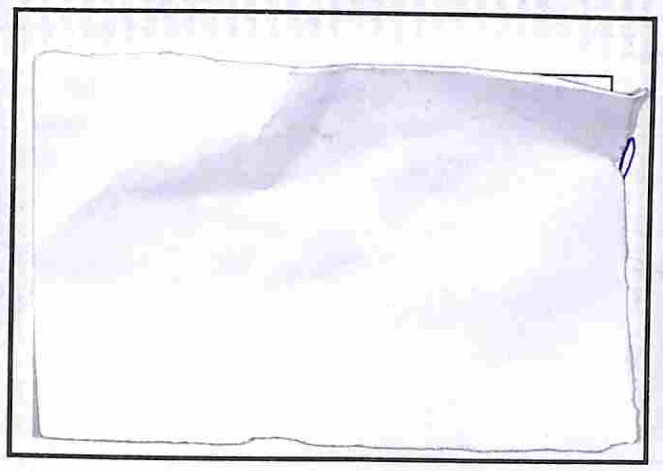

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय .... सिन्धी

परीक्षा का दिन....... शुक्रवार

दिनांक 4/4/2025

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ: 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	17	19	04
2	06	20	04
3	12	21	
4	02	22	
5	02	23	
6	02	24	
7	02	25	
8	02	26	
9	02	27	
10	02	28	
11	02	29	
12	02	30	
13	1½	31	
14	03	योग	
15	03	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	03	अंकों में	शब्दों में
17	03	79	उन्यासी
18	04		

परीक्षक के हस्ताक्षर .... [illegible] सकेतांक 6 2 3 6 1

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 60 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 180/2025

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:–
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
17	1.	वस्तुनिष्ट । खण्ड - 'अ'
	(i)	(स) रुआरणौ ।
	(ii)	(ब) हरी हिमथाणी ।
	(iii)	(अ) फागुण (मार्च) ।
	(iv)	(स) मजमून ।
	(v)	(द) खुल्दणी उतमचंदाणी ।
	(vi)	(अ) किसान मलकाणी ।
	(vii)	(अ) विकासपुर ।
	(viii)	(ब) कुदरत वारा ।
	(ix)	(अ) पैंयो ।
	(x)	(द) नौंह ।
	(xi)	(अ) हरी 'हिमगीर' ।
	(xii)	(ब) खूबसूरत ।
	(xiii)	(अ) हाणी ।

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(xiv)	(स) कोहिनूर।
	(xv)	(द) जमीन रुखाळी।
	(xvi)	(ब) होशियार।
	(xvii)	(स) घोड़ी।
	(xviii)	(अ) अदकू वाहिदू।
6	१२.	सवाल आरियो -।
	(i)	यड़ु
	(ii)	सुब्दारणु।
	(iii)	धुवतारो हो।
	(iv)	सफाई।
	(v)	एकता।
	(vi)	जमीन।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

3. हिक सिट में जवाब:-

12

1). जवाब:- 'बुढा-आश्रम' कहाणीअ में अजु जी नई पीढ़ी जो चिटु चिटियलु आहे, हिन पीढ़ी पंहिंजे माऊ-पीउ खे ही हिकु बोझु था समझनि। इहो सामाजिक जीवन जो चिटु चिटियलु आहे।

1

2). पढ़ण वक्त हिते-उते न डिसणु खपे, हिकु ध्यानु लगाइणु खपे, डिक्शनरी पासे में रखी जेके डुख्या लफ्ज़ आहिनि हुननखे समझी अभ्यासु करे।

1

3). उमर, मारुई खे मलीर मां कैद करे पंहिंजे महल वठी आयो हो त, हू मारुई जी सूंहं ते मोहित थी वयो हो, ऐं हुनसां शादी करण जो विचार हुअसि।

1

4). मानुष देहि यानी मानव जीवन कांहि पवित्र इंसान यानी इन्सानि में को हिकु ही आहे, जेको मानव जीवन जो कदुरु आहे।

1

5). "अरट जो आवाज़" बैत जो संदेश:- असांखे गांधीजी जी राह ते

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

हलचल रखी, जीअं त गांधी अहिंसा जो पाठ पढ़ाए अंग्रेजनि जो विरोध कयो, सभनि खे प्रेम जो संदेशु ॾिनो, पहिंजे देश लाइ त्याग ॾिनो,

हिन तरह ही असां खे भी पहिंजे देश जे वतन लाइ जेको थी सघे जरूर करिजे।

(vi) 6. समुंड मां माणिक मोती हुं इंसान ही हासिल करे सघंदो जेको पाताल में वञण जो ख्याल रखंदो हो त,

जेको पाताल में वञी सघे थो उहो ही समुंड मां मोती बी हासिल करे सघन्दो।

(vii) 7. **इस्म:-** कहिं माण्हू, सांहवारे, जाइ, शइ, वक्त, कम, खासियत या हालात जे नाले खे इस्म चइजे थो।

जीअं त:- राम (को नालो), जयपुर (को जाइ) ॿुढ़ापो (खासियत) इत्यादि।

इस्म जा छह: किस्म थीन्दा आहिनि।

(i) इस्म आम (ii) इस्मु खास (iii) इस्म जाति,
(iv) इस्म जिन्स (v) इस्म मजमूअ (vi) इस्म तसग़ीर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(viii) ढुकिरे जो मिसो :- "वक्त जी अहमियत" या "वक्त हिकु नइामत" चई सघजे थो।

(ix) वक्त उहो आजाद पखी आहे, जो कहिंजे बि दाम में नथो फासे।

(x) वक्त जो वयो मोती हथि नथो अचे।

(xi) वक्त जी वीर समुंडी वीर खां अलहदी आहे।

(xii) 'आजाद' जो ज़िदु => कैद।

'खण्ड' – 'ब'

5). जवाब- अशोक असां जे आफ़ीस जो मालो हो। अशोक रहन्दो त जयपुर हो पर पाहिंजी ड्यूटी जो ध्यान रखण लाइ टे-चोथे महिने ड्यूटी ते अजमेर अची इनजी चेतो कन्दो हो बिमारी जे वक्त भी अशोक ड्यूटी जी संभाल कई, हिनजे बदले खुद पाहिंजे आफ़ीस लाइ

ॾाॾो खोन खे हुनजी जाल लाइ जेवर
ठाह रखिया हुआ,
जुई अशोक खे ॾाॾो
खारो खोन खे पैसा ॾिना पर जॾहिं जुई
मरी वई त अशोक पाहिंजे वट कुछ काम
रखी ग़रीबनि में दान कयाई, खीर वारे
खे ॾाॾो कुछ ॾिनाई, बाकरखानी जी
पैसे खां ओली भरे छॾी।

हिनखां पोइ अशोक जुई जी ज़ाइ
(बिल्डिंग) खां कराए लगा ही जाइ ठाराई
पाहिंजे माले त सत्संग जो इंतज़ाम कयाई,
जुई जे नाले खे थाह जो प्रबन्ध कयाई,
खे धर्मशाला ही जुई जे नाले ठाराई।

5). जवाब: सुंदरी आसनदास उत्तमचंदाणी जी
कहाणियूं पाठकनि, श्रायरनि, बारन
अजिबनि ते हिक पहिंजी छाप छॾी आहे
जेका विसारे न विसरे थी। छो तो,

सुन्दरी जी कहाणियूं देश, समाज लाइ
संघर्ष जी कहाणियूं आहिनि, सुन्दरी
हिनखां सवाइं घणी कहाणियूं लिखियूं,
जेके मैगज़ीन में भी छपियूं आहिनि
जीअं त:- सुन्दरी जी कुछ कहाणियुन जा
नाला आहिनि:-

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

अधा वार, गाढ़ा गुल, आत्मविश्वास, अरी, युगांतर, बंधन, मिट्टी ते मानिह, विछोड़ो, छोड़ियल धरती, तो जनी जी तात।

हिनरवां सवाइं 2 मशहूर नावल भी लिखिया तई-

1). खिरन्दड़ दिवार (1953)

2). प्रीत पुराणी, रीत निराली (1956)

सुन्दरी जी हर कहाणियूं पढ़ण सां सिखण जहड़ी आहे। से हिन साबित करे थी हिन पाठकनि जे दिल ते गहरो असर कनि थियूं।

2

6). जवाब:- जड़हिं वनवास कलाराम खे सेखारियो त वण खे कटण सुठो न आहे, मां जणाई परिंदनि जो आशो अथां, मां जणाई माण्हुनि जे जीयण जो रस्तो अथां, तड़हिं कलाराम समझी वियो ऐं चयो त सच आहे सेतरो ही न पर हिक माण्हू हिन दुनिया मां वेन्दे वक्त भी हिक जिन्दा वण खे खाई तो वञे पर मां कयो पाव भी हाण न कन्दासि

से आखिरी समाधिना ईंधन ही रखन्दस त मुखे मरण वक्त बिजलीअ जी इलैक्ट्रिक मशीन मे ही साड़ियो वञे।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
2	7).	जवाबः- "वंदिना खे कीरीअ हिक बिरादरी खां कुझु बाहिरी शान डेखारण लाइ, पाण खे वड़ो समझण खे डेखाव जे करे कूड़ गाल्हायो।"
		हो त जडहिं शीरी नईं-नईं कॉलेज में आई थी त हू वन्दिना खे चवेस थी मां हिक पारसी कलेक्टर जी धीअ आहियां, वन्दिना हिन खे चये ती त हेतरे वड़े घर जी छोकिरी आहे त हुन खे डेखावे में नईं डिनो मुंहिंजे पीउ जी बि हिरे जी दुकान आहे।
		पर जडहिं दिना हुनजे घर आई त शिन्दी जो कुझु पकड़जी वियो, हो त कूड़ वधीक देर न टिकन्दो आहे।
2	8).	जवाबः प्रो. राम पंजवाणीअ पंहिंजी कविता 'वञा जाए सजण' में ईश्वर जो स्वरूप बुधाइन्दे चयो आहे त,
		मां जेड़ा भी वञम मां ईश्वर जा दर्शन रूप डिठा, मां काशी खे कैलाश वञम, मां कुरान भी पढ़ी खे व्रत भी रखिया, मां मन्दिर भी वञम मां मस्जिद भी वञम मां सभिनि जगह भगवान जा दर्शन रूप डिठा पर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

मूंखे ज्ञाण (समझ) आहे त परमात्मा त हिक ई आहे उहो ई परमात्मा असांजे मन में भी आहे, फूल, सागर, पाणी सभिनि में हुनजो ई वास आहे।

पर हुनजा नाला अलग आहिनि, से परमात्मा जा रूप घणाई आहिनि, पर परमात्मा हिक ई आहे, जेको असांजे अन्तरमुख वास करे पियो।

2

BSER-180/2025

9). "दुःख खे सुख जहिं जा ब किनारा" हिनमें लेखक चयो आहे त मुहिंजी ज़िन्दगी हिक बेड़ि वांगुर आहे, जहिंजा बु किनारा आहिनि, हिनमे अगर हिकिड़ो सुख आहे त बियो दुःख!

हिनजो मतलबु आहे त असांजी ज़िन्दगी में कुछ भी हमेशाह लाइ न रहन्दो आहे अगर जे सुख असांजे जीवन में अचे थो त हिक डींह दुःख भी ज़रूर ईन्दो असांखे बिनि जो मुकाबलो करणु अचणु खपे, जीअं असां सुख में खिली करे रहन्दा आहियूं असांखे हिय ई दुःख खे भी खिली करे उहो वक्त भी कढी छडणे घुरे त हिय ज़िन्दगी आहे दुःख आयो आहे त वक्त सां गडु निकरी वेन्दो से वापस सुख भी अची वेन्दो।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

10). अर्जुन 'शाद' पहिंजी 'ग़ज़ल' में इंसान खे चयो आहे त जॾहिं भी असां मथा को भी मुश्किल अचे थी त परमात्मा के न के ज़रिए असां जी मदद करे थो पोइ पर हिन लाइ कर्मनि रखां ज़रूरी आहे त असां सुठो सोचु, सकारात्मक सोचु, असांजी सोच ई ॾिया तय करे थी त असां खे छा मिली तो पोइ ऐ छा न।

पर जॾहिं असां ई कुझ करण जी कोशिश न कन्दासीं, मन में डरु ई रखन्दासीं, सुठो न सोचीन्दासीं त असां खे कुझ भी हासिल न थी सघन्दो, सुभाणे जी फ़िक्र असां खे अज में जीअर खपे, अज जी सोचणु खपे।

11). श्री 'ढोलण राही' हिन बैत जो कवि असां खे हिन बैत 'ॻुरु-दाता' में समुझाए कहियो आहे त असां खे पहिंजे देश जो दामनु 'मेहनत जे मोतियुनि' सां भरण जी प्रार्थना करण खपे।

छो त मेहनत जी सभिनी हिकड़ो रस्तो आहे जहिंसां असां सभु हासिल करे सघूं था, मेहनत करे असां पहिंजी ज़िन्दगी खे मटे सघूं था, सभु थियूं असां खे

मेहनत खां मिली सघन थियूं।
इनकरे असां खे परमात्मा खां वरदान वठणु खपे त असां खे मेहनत करण जी शक्ति डे, वरदान डे असां खे कड़ो हिकड़ो।

---

12. अदद बदिलायो:-

1). मोटर = मोटरूं 2). गाडिरी = गाडिरियूं

3). खट = खट्ठूं 4). तालो = ताला।

---

13. जिंस बदिलायो:-

1). राजा = रंक या फकीरू 2). साधु = साधुणी
3). अमां = अंमा [redacted] 4). डाडी = डाडो

"नसर - 'स'"

14. हवालो:-

जवाब:- (i) हीउ सुन्दर सिट्ट असांजे सिन्धी किताब 'साहित्य पुष्प' जे पाठ - 14., दर्जे - X 'सफेद हंस' मां खयो वयो आहे। हिन पाठ जो लेखक - 'मनोहर मेहाणी' आहिनी।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

हिअ सुन्दर सिट्टं हिन पाठ में हिक किरदार जानक, खे महादेव खे चयूं से उन वक्त चयूं कढ़िहें,

महादेव खे पाहिंजे कम में ॾाढो नुकसान थी वयो हो, से जानक, महादेव खे हुन नुकसान में ॿाहिर निकरण लाइ हिक उपाय सोचियो खे चयाईं त ध मूहिंजे वट तोखे नुकसान मां ॿाहिर कढण लाइ हिक उपाव आहे,

तहिंते महादेव हिअ माथियां लफ्ज जानक खे चयो त " अ लाइ करे उहो उपाव मूंखे सुधारु मां उहो जरूर कंदुसि।

3

15. (i) "पराए मास में काती" कहाणीअ जो संदेश:-

हिन कहाणीअ मां असां खे इहो संदेश मिले थो त हुअ ही असांजे समाज में धीअरनि जी ॾाढी बेकदरी थी रही आहे, माउ-पीउ भी धीअ खे हिक बोझ था समझिन थो त माउ-पीउ खे धीअरी खे जमण खां ॾी वारी ताई कुछ ॾियणो ही थो पवे। कुछ न

हिनजो मुख्य कारण डेती-लेती (दहेज प्रथा) भी

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

आहे। असां खे पहिंजे समाज में हिन प्रथा खे रोकण जो प्रयास करणु खपे, निंयारियुनि खे वरदान समझणु खपे, जीअं छोकरे जमण ते खुशियूं मलहाइन्दा आहयूं ही छोकरी जे जमण ते भी मनाइणु खपे।

जेके माण्हू देती-लेती वठन था हुननि खे भी समझाइणु खपे हो त अगर छोकरी वारा पहिंजी धीअ खे कुझ खुशी सां डियन था त खुशी आहे पर अगर छोकरे वारन जे लालच में अची हुननि खे कुझ डियणो पवे थो त माउ-पिउ खे भी हिक वडी मुश्किल थी अची वञे, गरीब मां-पीउ सेतरो पैसो न था आणे सघनि खे पहिंजी छोकरी खे हिक बोझ समझन्दा।

देती-लेती खे रोकण जो प्रयास करो।

BSER-180/2025

3 16. (ii) "माण्हू मुहिंजे मुल्क जा" हिन नॉंत जो लेखक 'कृष्ण राही' जिन आहिनि। हिन कहाणीअ लेखक कयो बुधायन्दे पयो आहिनि त,

माण्हू त मुहिंजे मुल्क जा आहिनि खे आगाह कन्दे पयो आहे त हू डाढा सुठा, समझदार ऐं आमिनि सां प्रेम जो हिक जहिड़ो बरताव रखण वारा आहिनि।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

मुहिंजे मुल्क जा माण्हू सुबह जो सवेल उथन्दा आहिनि सांगीअ जा गीत गाइन्दा आहिनि, डींह जी वेल डाढी मेहनत कन्दा आहिनि ऐं जडहिं थकजी वेन्दा आहिनि त पंखो हलाए वियाणी खणी सुम्ही पवन्दा आहिनि, शाम जे वक्त हू हवा में घुमी मौज कन्दा आहिनि ऐं रात जो ब्याह जा गीत गाए सुमन्दा आहिनि।

मुहिंजे मुल्क जा माण्हू हरको कमु समय सां पूरो कन्दा आहिनि ऐं अमनि सां सुखी रहन्दा आहिनि।

3

17. इस्तलाहनि / पहाकनि जी माना :-

1. सार्ई-सार्ई करणु => मिन्थू करणु। बार-बार पुछणु

1

जुमले में प्रयोग :- मां हमेशा खे मेले में घड हलण जे करे 'सार्ई-सार्ई' करे थकजी वियम।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

2. दालि न गरणु ⇒ पुज़ी न सघणु।

जुमले में प्रयोगः सच जे अगियां कूड़ मानहु जी दालि कान गदे सघन्दी आहे।

3. पाणी विलोड़णु ⇒ अजाई कोशिश करणु।

जुमले में प्रयोगः मोहन खे समझाइणु, पाणी विलोड़णु जहिड़ो आहे।

खण्ड - (द)

4 18. रिपोर्टः (i)

शीर्षकः राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में "सिंधुपति महाराजा डाहरसेन जयंती" 2025

प्रस्तुत कर्ताः मुहिंजो नालो 'ईश्वर लेखवानी' आहे मां स्कूल दर्जो - X जो शागिर्द, असांजे स्कूल में "सिंधुपति महाराजा डाहरसेन जयंती" जे बारे में तव्हां खे बुधाइन्दुस।

हर वरिह (साल) जी तरह हिन साल भी असांजे स्कूल में डाहरसेन जयंती मनाई वई।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

अमांरे स्कूल रे हाल मे एक डाइरसैन महाराजा जीनि री मूर्ति लगाई गई। अमांरी हैडमास्टरयाणी साहिबा (कुलवन्ती जी धमनाणी) अमांरे डाइरसैन री कहाणी रो इनरो इतिहास बतायो, अमांरे पी.टी सर (रमेश लखवानी) अमां ने बतायो के किस महाराजा डाइरसैन देश री लड़ाई मे पहेली जान दिनी, रे किस होशीयारी सां दुश्मन रो सामनो करयो हो।
अमां सब हिनखां किरत वरती, तारिफ करायु। दर्जे - नवे रे बालनि महाराजा डाइरसैन री कहाणी रो बयानि पहिंले नाच रो नाटक मे प्रस्तुत करयो। रे दिन जयन्ती रे अमां ने एक निबन्ध लिखणा रे पुरस्कार मिलियो।
हिनमे मां पहिरियो ने आयस सभानि मुहिक लाए तारिफ करायूं। अमां हिनखां डाडो कुछ सिखियो।

रिपोर्ट लिखण्डड़ -
अ, ब, स
दर्जो - X

तारिख :- 4-4-2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
5	19. (i)	प्रिंसीपल खे दरख्वास्त :-

सेवा में,
श्रीमती, हेडमास्टरयाणी साहिबा,
रा० उ० मा० विद्यालय,
अलवर।

बाबत :- असांजी क्लास मे फर्नीचर जे जोगे बंदोबस्त करण बाबत दरख्वास्त।

मानवारा,
अर्ज़ हिन रीति आहे त मां तव्हांजे स्कूल जे दर्जे - X जो शागिर्द ऐं क्लास संचालक बी अयां।
मां तव्हांखे वेनती करण थी चाहियां त असांजी क्लास मे घणाई फर्नीचर टुटी-फुटी पयां आहिनि, हुन फर्नीचर ते विहण मे ही डपु थो लगे, घणाई ॿारनि खे त चोट बि पहुची वेई आहे, ऐं क्लास मे ॿारनि जे वधण करे फर्नीचर जी घटताई बि नज़र थी अचे। जंहिकरे असां खे पढ़ाई करण मे परेशानी थिए थी।

हिनकरे तव्हांखे अर्ज़ आहे त असांजी क्लास मे फर्नीचर जे जोगे बंदोबस्त करण जो इन्तज़ाम जल्द कयो।

मेहरबानी

तव्हांजो शागिर्द
सर्माई दर्जो - X

तारीख :- 5-5-2025

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

4

१०. (ii) मजमून :- ऑनलाइन शॉपिंग मां फायदा ऐ नुकसान।

* ऑनलाइन शॉपिंग रो बखान
* फायदा
* नुकसान
* सुझाव।

• ऑनलाइन शॉपिंग रो बखान :- आज हर रो माणहु पाईं री जिंदगी में घणरो मुनजी वधो आई ग हुनरवे थोरे श्री वक्त न थो मिलो च्छे, जिनमें हु बाहिर वजी बाजार री भीर करे सामान खरीदारी करे च्छे।

इन क्षमु री सहूलियत लाए आज काल माणहु ऑनलाइन शॉपिंग करण चालू करे दही आए।

ऑनलाइन शॉपिंग जरिए माणहु घर बैठे ही मोबाइल सां सामान ऑडर ता करे हवानि।

ऑनलाइन शॉपिंग मां जेतरो फायदो आई ओतरो ही नुकसान श्री आई।

• ऑनलाइन शॉपिंग मां फायदा :- ऑनलाइन शॉपिंग में घणाई फायदा आईनि। जीआ त-

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	1.	माण्हू घर वेठे सामान घुराए सघनि।
	2.	बाजार में वञण, मथो लगाइण जी जरूरत न थी पवे।
	3.	मोबाइल में ऐप ते हिक ही क्लिक सां घणाई विकल्प सा नजरि अचनि।
	4.	समय जी बचत थी थी।
	5.	सामान पसन्द न अचण ते वापस मटे सघू थां।
	6.	केळी शय घुरू उहो मिली थी वञे।

हिन तरह ऑनलाइन शॉपिंग मां फाइदा आहिनि पर छा ही येतरो सउलो आहे न हिनखा डाढा नुकसान थी वञिया आहिनि।

ऑनलाइन शॉपिंग जा नुकसान:- ऑनलाइन शॉपिंग मां घणाई नुकसान थी आहे। जीअं त -

1. सभु माण्हू अज कल्ह ऑनलाइन शॉपिंग कन्दा आहिनि, हिनमां नंढा दुकान, बाजार बेरोजगार थीन्दा पिया वञनि।

2. ऑनलाइन शॉपिंग में सामान खे घर ताईं अचण लाइ डिलेवरी चार्ज वधीक लगन्दो आहे। घणाई पैसा हिनमे ही बरबाद थी वञन था।

3. कड़हिं-कड़हिं कहिं फर्जी ऐप ते डेखारियो वेन्दो आहे त सामान डाढो सस्तो आहे, ऐं घणाई माण्हू हुननजी लालच में अची सामान

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खे ठगणु पैसा पहिरीं ही ऑनलाइन करे छडीन्दा आहिनि, पर सामान ख़राब या कड़हिं त कन्दो ही कोन आहे।

4. केतरा माण्हू असां खां पासवर्ड वठी ऑडर जे नाले ते असांजो डेटा चोरी करे छडीन्दा आहिनि।

5. बाजार मे जेतिरे जी शय मिलन्दी आहे हुनखां वधीक ऑनलाइन ते, डिलेवरी चार्ज मे पैसो लगी वेन्दो आहे।

हिन लाए ऑनलाइन शॉपिंग मे भी ड़ाड़ा नुकसान आहिनि।

सुझाव:- असांखे ऑनलाइन शॉपिंग संभाले करे करणु खपे, जेके फर्जी ऐप हुजनि हुननि खे पहिंजे फोन मे न रखणु खपे, असली वस्तुनि जी जाँच करे पो ही ख़रीद करणु खपे, पासवर्ड डियणु या O.T.P डियणु खां पहिरीं जाँच करे वठो त ही सही आहे या न।

ऑनलाइन शॉपिंग करो पर संभाले करें।

" समाप्त "

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

24 Page:Copy1 2-1 22 Front1 Black